



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

अगस्त / August 16, 2021

**सिडबी द्वारा गांवों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 750
स्वावलंबन सिलाई स्कूलों की स्थापना के तीसरे चरण का शुभारंभ
SIDBI launches 3rd phase of setting up 750 Swavalamban Silai Schools
to promote women entrepreneurship in villages**

भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष पर उद्यमशीलता के लक्ष्य को 10 गुना शक्ति
प्रदान

Gives 10X power to entrepreneurial pursuit on the 75th year of India's
independence

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्थान भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने अपनी प्रमुख पहल मिशन स्वावलंबन के अंतर्गत उषा इंटरनेशनल लिमिटेड (यूआईएल) के साथ साझेदारी में 10 राज्यों यथा, उत्तर पूर्व में (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम और त्रिपुरा), ओडिशा, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के 20 जिलों में 750 स्वावलंबन सिलाई स्कूलों की स्थापना के तीसरे चरण का शुभारंभ किया है। इसका उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता संस्कृति का अनुसरण करते हुए उन्हें स्वतंत्र बनाने और गृह-उद्यमी के रूप में विकसित करते हुए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के तीसरे चरण को ओडिशा के केंद्रापड़ा जिले से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) under its flagship initiative Mission Swavalamban, in partnership with Usha International Limited (UIL) has launched the third phase of setting up of 750

Swavalamban Silai Schools across 20 districts of 10 states viz. North East (Arunachal Pradesh, Assam, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Sikkim and Tripura), Odisha, West Bengal and Madhya Pradesh with an objective to empower women making them independent while pursuing entrepreneurship culture and evolve as Homepreneurs. The third phase of the program has been flagged off from Kendrapara district in Odisha.

कार्यक्रम के तीसरे चरण का उद्घाटन राज्यसभा सांसद, श्री अमर पटनायक ने किया। श्री सिवसुब्रमणियन रमण, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सिडबी, श्री सुदत्त मंडल, उप प्रबंध निदेशक, सिडबी, श्री दिनेश छाबड़ा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक, यूआईएल, श्री कृष्ण श्रीराम, कार्यपालक अध्यक्ष, यूआईएल, सुश्री मैरी रूपा टेते, वाइस प्रेसिडेंट, सोशल सर्विसेज ऑफ उषा इंटरनेशनल के साथ-साथ साझीदार गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के अन्य गणमान्य व्यक्ति और वक्ता इस वर्चुअल शुभारंभ के अवसर पर मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ रविंद्र कुमार सिंह ने किया।

The 3rd phase of the program was inaugurated by Shri Amar Patnaik, Member of Parliament, Rajyasabha. Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director, SIDBI, Shri Sudatta Mandal, Deputy Managing Director, SIDBI, Shri Dinesh Chhabra, Chief Executive Officer and Managing Director, UIL, Shri Krishna Shriram, Executive Chairman, UIL, Ms. Mary Rupa Tete, Vice President, Usha Social Services of Usha International along with other dignitaries and speakers from Non-Governmental Organization (NGO) partners were present during the virtual launch. Dr Ravindra Kumar Singh, Chief General Manager of SIDBI coordinated the conduct of the event.

इस अवसर पर सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमन ने कहा कि "हमने महिला उद्यमिता, कारीगरों और बड़े पैमाने पर आजीविका संवर्द्धन को बढ़ावा देकर 'आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर गांवों' की थीम के साथ स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष का उत्सव मनाया। सिडबी सहर्ष घोषणा करता है कि इस संयुक्त पहल के माध्यम से अब तक 7 राज्यों, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 24 जिलों में 1,700 स्वावलंबन सिलाई स्कूल स्थापित किए गए हैं। इसे गति देकर आगे बढ़ाते हुए, सिडबी का लक्ष्य पूरे भारत में 15,000 ऐसे स्कूलों को खोलना है। आगामी वर्षों में यह पहल महिलाओं के स्वामित्व वाले मौजूदा 20% उद्यमों को कम से कम 50% तक ले जाने के एजेंडे को बढ़ावा देगी। हम संपूर्ण मूल्य शृंखला को उसके अंतिम व्यक्ति तक इन डिजिटल उपहारों की पहुँच में वृद्धि करने के लिए तत्पर हैं। हम ऐसे सभी स्थानों पर और ऐसे सभी भागीदारों के साथ रहने का इरादा रखते हैं जो उद्यमिता और उद्यम प्रोत्साहन के विषय में

उत्सुक हैं। हम इस पारितंत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों - महिला उद्यमियों के माध्यम से उद्यमिता के क्षेत्र में सांस्कृतिक क्रांति लाने का सपना देखते हैं।”

On this occasion Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director, SIDBI said, “As we celebrated 75th year of independence with the theme of ‘AtmaNirbhar Villages for Atmanirbhar Bharat’ by promoting women entrepreneurship, artisans and large-scale livelihood promotion, SIDBI is glad to announce that through this joint initiative so far 1,700 Swavalamban Silai Schools have been set up in 24 districts across 7 states namely, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, Rajasthan, Telangana, Himachal Pradesh and Uttarakhand. Taking the momentum ahead, SIDBI aims towards reaching 15,000 such schools across India. The initiative shall give fillip to the agenda of taking the current 20% of enterprises being owned by women to at least 50% in the years to come. We are poised to enhance digital delights for entire value chain, bottom up. We intend to be at all such places and with all such partners who are passionate about the theme of entrepreneurship and enterprise promotion. We dream for an enterprising cultural revolution through most important ambassadors of the ecosystem- the women entrepreneurs.”

इस कार्यक्रम के अंतर्गत इच्छुक महिला उद्यमियों को उषा इंटरनेशनल लिमिटेड (यूआईएल) के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई मशीन के रखरखाव और मरम्मत के साथ-साथ सिलाई के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली महिला उद्यमियों को सिलाई मशीन, प्रशिक्षण किट और एक स्वावलंबन सिलाई स्कूल साइनेज बोर्ड प्रदान किया जाता है। यह पहल न केवल उन्हें स्वतंत्र और अपने परिवार का रोल मॉडल बनाती है बल्कि वह एक मास्टर ट्रेनर बन जाती हैं और तत्पश्चात वे औसतन तीन और महिलाओं को प्रशिक्षित करती हैं और इस प्रकार इसका गुणात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है।

Under this program, training is provided to aspiring women entrepreneurs on various aspects of stitching along with maintenance and repairing of sewing machine by the expert trainers of UIL. The women entrepreneurs successfully completing the training program are provided sewing machine, training kit and a Swavalamban Silai School signage board. This initiative is not only making them independent and role models for their family but in turn they become master trainer and then teach average three more women which would create a ripple effect.

जीवन कौशल, उद्यमिता और बैंक योग्यता के सिद्धांतों के अलावा, तीसरे चरण में इन गृह उद्यमियों को वर्चुअल क्लस्टर के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाएगा जहां वे समूहीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म से लाभान्वित होंगी ।

Besides life skills, tenets of entrepreneurship and bankability, the third phase shall have thrust on evolving these homepreneurs as virtual cluster where they benefit from aggregation and digital platforms.

श्री कृष्ण श्रीराम, कार्यपालक अध्यक्ष, यूआईएल ने कहा, “स्वावलंबन सिलाई स्कूल खोलने के लिए सिडबी-यूआईएल साझेदारी ग्रामीण भारत में कौशल विकास, वित्तीय स्वतंत्रता और सूक्ष्म उद्यमिता को बढ़ावा देने के पारस्परिक उद्देश्य को पूरा करती है। हम सिलाई स्कूल की महिलाओं के जीवन में लगातार कुछ नया करने और मूल्यवर्धन का प्रयास करते हैं। इस प्रयास के साथ, हमने उषा सिलाई, एक मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया है जो 12 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है और इसमें सिलाई के विभिन्न पहलुओं पर सामग्री उपलब्ध है। हम मौजूदा सिलाई स्कूल की महिलाओं में से क्लस्टर स्तर के नेताओं को विकसित करके नेतृत्व के अगले पायदान का भी निर्माण करेंगे, जो ग्राम स्तर की जानकारी और अवसरों के लिए सुविधा और समन्वय के नोडल बिंदु बनेंगे। सिडबी एक भागीदार के रूप में बहुत सहायक, सहभागी और उत्कृष्टता से प्रेरित रहा है। हमें इस जुड़ाव पर गर्व है और आशा है कि हम साथ मिलकर आने वाले समय में ग्रामीण भारत की कई और महिलाओं के जीवन को छू पाएंगे।”

Shri Krishna Shriram, Executive Chairman, UIL said, “The SIDBI-UIL partnership to open Swavalamban Silai Schools fulfills the mutual objective of skill development, financial independence and promotion of micro-entrepreneurship in rural India. We constantly strive to innovate and add values to the lives of Silai School women. With this endeavour, we have launched Usha Silai, a mobile app which is available in 12 regional languages and has content on various aspects of sewing. We will also be creating the next rung of leadership by developing cluster level leaders from among the existing Silai School women who will become the nodal points for facilitation and coordination for village level information and opportunities. SIDBI as a partner has been very supportive, participative and excellence driven. We are proud of this association and hope that together we will be able to touch the lives of many more women in rural India in times to come.”

तीसरे चरण का उद्घाटन करते हुए, राज्यसभा सांसद श्री अमर पटनायक ने देश भर में स्वावलंबन सिलाई स्कूलों की स्थापना की इस पहल को शुरू करने के लिए सिडबी और

यूआईएल को बधाई दी और आर्थिक सक्षमता द्वारा महिलाओं को अपने समुदाय के भीतर रोल मॉडल के रूप में सामाजिक प्रतिष्ठा और मान्यता बनाने के लिए दोनों संगठनों के एक साथ आने के प्रयासों की सराहना की।

While inaugurating the 3rd phase, Shri Amar Patnaik, Member of Parliament, Rajyasabha congratulated SIDBI and UIL for starting this initiative of setting up Swavalamban Silai Schools across the country and appreciated the efforts of both the organisations in coming together to create a social standing and recognition of women as role models within their community by economic enablement.

पहले दो चरणों में 7 राज्यों में 24 जिलों के 108 ब्लॉकों के 1,638 गांवों में 1,700 सिलाई स्कूल स्थापित किए गए हैं। इस कार्यक्रम के तहत 1,700 प्रत्यक्ष लाभार्थी कार्यरत हैं और उनके अंतर्गत 19,500 से अधिक शिक्षार्थियों को नामांकित किया गया है जिससे उद्यमिता के विषय को और व्यापक किया जा रहा है। प्रत्येक गृह उद्यमी उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षक के रूप में कार्य करती है, सिले हुए कपड़ों का डिजाइन करती है और बेचती है तथा मरम्मत सेवाएं भी प्रदान करती है। इस पहल से समाज के वंचित वर्ग को कवर किया गया है और समाज के निचले स्तर पर नवोदित महिला उद्यमियों को लाभ पहुंचा है। इन 1700 गृहउद्यमियों में से 40% महिलाएं अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी से आती हैं, जबकि 39% महिलाएं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आती हैं। कुल मिलाकर, इनमें से 64% महिलाएं जिन्होंने सिलाई स्कूल स्थापित किए हैं, वे गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी से हैं। यह उल्लेख किया जा सकता है कि 2019 में शुरू होने के बाद से कोविड-19 महामारी के दौरान भी 1,700 स्कूलों के सभी सेटअप चालू थे और 27,000 प्रति माह शीर्ष औसत कमाई से संचयी आय रु 6 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

In the first two phases 1,700 Silai Schools have been set up covering 1,638 villages, 108 blocks and 24 districts across 7 states. These 1,700 direct beneficiaries under the program are functional and have enrolled over 19,500 learners under them leading to deepening of theme of entrepreneurship. Each homepreneur acts as trainers for aspirants, designs & sells stitched garments as also provide repair services. The initiative has touched the bottom of the pyramid budding women entrepreneurs and has covered the deprived section of the society. Out of these 1,700 Homepreneurs, 40% women fall under Other Backward Class category while 39% women belong to Scheduled Cast/Scheduled Tribe category. Overall, 64% of these women who have set up Silai Schools hail from Below the Poverty Line category. It may be mentioned that all the earlier setup of 1,700 schools were operational even during the COVID-19 pandemic and

since the start in 2019, cumulative earnings have been at Rs. 6 crore with top average earning recorded at Rs. 27,000 per month.

सिलाई स्कूल कार्यक्रम के बारे में: सिलाई स्कूल कार्यक्रम उषा सोशल सर्विसेज की एक अखिल भारतीय समुदाय आधारित ग्रामीण पहल है, जो उषा इंटरनेशनल लिमिटेड की एक इकाई है। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य दूरदराज के गांवों, बस्तियों में रहने वाले समुदायों के हाशिए पर रहने वाले वर्गों की महिलाओं को सशक्त बनाना है। भारत के गांवों में 2011 में शुरू किए गए, उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम में वर्तमान में भारत के सभी राज्यों में 21,219 सिलाई स्कूल, नेपाल में 100 और श्रीलंका में 20 और भूटान में 3 उत्पादन केंद्र हैं। सिलाई स्कूल कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य महिलाओं को सिलाई और कटाई तथा उद्यमिता कौशल प्रदान करके उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आजीविका का विकल्प देना है। दूसरा उद्देश्य आर्थिक सक्षमता के माध्यम से अपने परिवार और समुदाय के भीतर एक सामाजिक प्रतिष्ठा और पहचान बनाना है। सिलाई स्कूलों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया <https://www.ushasilaischool.com> देखें।

About Silai School Program: The Silai School Program is a pan India community based rural initiative of Usha Social Services a unit of Usha International Ltd. This social initiative is aimed at empowering women from marginalized sections of the communities residing in the remote hamlets, habitations and villages of India. Initiated in 2011, Usha Silai School program at present has 21,219 Silai Schools across all the states of India, 100 in Nepal and 20 in Sri Lanka and 3 production centers in Bhutan. The primary objective of the Silai School Program is to create a livelihood option for women by financially empowering them through imparting sewing and stitching and entrepreneurship skills. The secondary objective is to create a social standing and recognition within her family and community through economic enablement. For more details on Silai Schools, please visit <https://www.ushasilaischool.com>

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in> पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>